कृषक समुदाय का कल्याण :

किसान प्रशिक्षण :

किसान प्रशिक्षण :

फसलों के उत्पाद को बढ़ाने तथा भूमि की उत्पादकता बढाने के लिए कृषि संबंधी तकनॉलॉजी अपनाने, प्रशिक्षण देने और जानकारी प्रदान करने से बहुत अधिक सुविधाजनक हो जाता है ।

आरसीएफ ने नागपुर और थळ में समर्पित प्रशिक्षण सुविधाएं स्थापित करके अनुसंधान वैज्ञानिकों और किसानों के बीच के इस अंतर को भरने का प्रयास किया है । यहाँ पर कार्यक्रम इस तरह से बनाए जाते हैं कि उसमें कृषि तकनॉलॉजी के सामान्य पहलुओं और क्षेत्र विशेष के पहलुओं का समावेश होता है । इसके अलावा सहायक व्यवसायों जो कृषि आय के लिए पूरक होते हैं, साथ ही बढ़ रही **फुड प्रोसेसिंग** की तकनॉलॉजी पर भी चर्चा होती है । इन संस्थाओं में नवीनतम दृक श्राव्य साधन एवं क्लास रुम उपलब्ध हैं तथा किसानों के रहने के लिए होस्टल की व्यवस्था भी है । कृषि की उत्पादकता में समान रुप से योगदान दे सके इस बात को ध्यान में रखकर कृषक महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम बनाए गए हैं । अनुसूचित जाति और जनजाति के श्रेणी के किसानों पर विशेष ध्यान केंद्रीत किया जाता है ।

स्थान

किसान प्रशिक्षण संस्थान, नागपुर इसकी स्थापना 1988 में हुई । इस संस्थान की आधारशिला महाराष्ट्र के कृषि मंत्री जी श्री भगवंतराव गायकवाड द्वारा रखी गई । इस क्षेत्र में आइसीएआर की कॉटन रिसर्च इन्स्टिटयूट, नेशनल सॉईल सर्वे प्रयोगशाला, हॉर्टिकल्चर रिसर्च स्टेशन, वेटर्नरी रिसर्च संस्था, नागपुर, ऑरेंज ग्रोवर्स असो., एग्मार्क जैसी संस्थाएं हैं, जिसमें ज्ञान का आदान-प्रदान होता है और प्रेरक वातावरण मिलता है ।

किसान प्रशिक्षण केंद्र, थळ

इसकी स्थापना 1998 में हुई । यह अलिबाग, रायगड जिला, महाराष्ट्र के निकट आरसीएफ के कृषि अनुसंधान केंद्र के परिसर में स्थित है ।

आरसीएफ थळ फैक्टरी के करीब होने के कारण किसानों को फैक्टरी को देखने और अधिकारियों से बातचीत करने का अवसर मिलता है । सहभागी अनुसंधान फार्म पर किए जा रहे विभिन्न परीक्षणों को भी देखा सकते हैं । यह किसान प्रशिक्षण केन्द्र निजी फ्लोरिकल्चर फार्म राज्य सरकार व फॉरेस्ट नर्सरी के करीब है ।

संस्था में उपलब्ध सुविधाएं :

नागपुर और थळ में सभी सुविधाओं से परिपूर्ण किसानों के लिए होस्टल है जिसमें 50 किसानों के रहने की सुविधा है । साथ ही प्रदर्शनी के लिए हॉल व छोटा पुस्तकालय और चर्चा के लिए हॉल है । आधुनिक सभागृह है ।

नागपुर संस्था में सुसज्जित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला है ।

सहभागियों के चयन का आधार :

ऐसे उत्साही व्यक्तियों जिनकी विचारधारा प्रगतिशील है, को ध्यान में रखकर चयन प्रकिया निर्धारित की गई है । उनके लिए स्थानीय भाषा का पढ़ना और लिखना आवश्यक है । प्रशिक्षण के बाद ऐसी अपेक्षा है कि वे अपने गांवो में ओपिनियन लीडर की तरह काम करेंगे और अपने साथी किसानों में जानकारी बांटेंगे ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम : भाग लेनेवाले किसानों को प्रभावी प्रशिक्षण देने के लिए भौगोलिक स्थिति, क्रॉपिंग पैटर्न, सहभागियों की आर्थिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि के विवरण की चर्चा क्षेत्रीय कृषि विशेषज्ञों के परामर्श से की जाती है और उस पर आधारित केस स्टडी बनाई जाती है ।

दौरा : प्रभावी कक्षा प्रशिक्षण के लिए सहभागी नजदीकी कृषि अनुसंधान स्टेशन, कृषि संस्थाओं और उप व्यवसाय केन्द्रों इत्यादि का दौरा करते हैं ।

प्रशिक्षण सुविधाएं : प्रशिक्षण देनेवाले संकाय सदस्य मुख्यत: कृषि विश्वविद्यालयों अन्य कृषि पर आधारित उद्योगों के विशेषज्ञ, ग्रामीण बैंकों तथा राज्य कृषि विभागों से होते हैं ।

पिछले पांच वर्षो में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

पिछले पांच वर्षो मे आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.	संस्था का नाम	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	लाभान्वित किसानों की संख्या
1	नागपूर और थल अलिबाग	34	35	41	41	39	7460